जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति **27** अगस्त **2019**

जामिया कुलपति ने कहा विश्वविद्यालय नयी बुलंदियों की तरफ़ बढ़ रहा है, एजेके एमसीआरसी के पूर्व छात्रों को सम्मानित और नए छात्रों का स्वागत किया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के एजेके मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर के नए छात्रों के लिए आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में, इस केन्द्र की दो पूर्व छात्रों सुहानी कंवर और नताशा बधवार को आज सम्मानित किया गया। कंवर, एक जानी मानी स्क्रीन राइटर हैं। नेटफ्लिक्स के लीला की वह सह लेखक हैं। नताशा पत्रकार, लेखक और डाक्यूमेंटरी फिल्मकार हैं।

विश्वविद्यालय के डा. एम.ए. अंसारी सभागार में आयोजित इस भव्य समारोह में, विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नजमा अख़्तर ने इन दोनों पूर्व छात्रों का साइटेशन और ममेन्टो से सम्मान किया।

इस मौक़े पर अमेरिका की हाॅफस्त्रा यूनिवर्सिटी के विज़िटिंग फुलब्राइट स्काॅलर, प्रो आशीश कुमार को भी सम्मानित किया गया। वह एजेके एमसीआरसी के सलेब्स को नया रूप देने और मीडिया लैब स्थापित करने में मदद कर रहे हैं।

इस अवसर पर प्रो अख़्तर ने नए छात्रों का स्वागत किया और कहा कि उन्हें अपने को खुशनसीब समझना चाहिए कि उन्हें देश के सबसे अच्छे मीडिया संस्थानों में से एक में तालीम पाने का अवसर मिला है।

उन्होंने बताया कि जामिया नयी बुलंदियों की तरफ बढ़ रहा है और इसकी नेशनल और इंटरनेशनल, दोनों रैंकिंग में लगातार सुधार हो रहा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में एक मुलाक़ात के दौरान, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जामिया के छात्रों और टीचिंग स्टाफ की सराहना की थी, "जो देश के सर्वोच्च नेता की तरफ से दिया गया एक बहुत बड़ा सम्मान है और इससे मुझे बहुत फ़ख़र का एहसास हुआ।"

उन्होंने नए छात्रों को 'यंग फ्रेंड्स' कह कर मुख़ातिब करते हुए कहा कि कई लोगों ने इस यूनिवर्सिटी का हिस्सा बनने की कोशिश की होगी और आप लोग उन ख़ुशकिस्मत लोगों में हैं, जिन्हें यह अवसर मिला। उन्होंने कहा कि वह एजेके एमसीआरसी का पूरा लाभ उठाते हुए अपने अध्ययन पर ध्यान केन्द्रित करें और अपने माता पिता तथा विश्वविद्यालय, दोनों के लिए गर्व का पात्र बनें।

प्रो अख़्तर ने कहा कि जामिया प्रशासन छात्रोें के चहुं मुखी विकास का माहौल बनाने की दिशा में सतत काम कर रहा है। छात्रों की शिकायतों और उनके निवारण के लिए भी एक व्यवस्था मौजूद है, जिसमें विभागों के अध्यापक, और स्टूडेंटस वेलफेयर डीन शामिल है। छात्रों से उन्होंने कहा कि कोई भी समस्या आने पर वे उसके समाधान के लिए फौरन सूचित करें।
जेंडर भेदभाव, छेड़-छाड़ और यौन प्रताड़ना के प्रति 'ज़ीरो-टालेरेंस' की जामिया की नीति का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सभी छात्रों, ख़ासकर, फिमेल स्टूडेंट्स को कैंपस में खुद को सुरक्षित महसूस करना चाहिए।

मीडिया, लिटरेचर और एजुकेशन के क्षेत्रों में कंवर और बधवार द्वारा किए गए विशिष्ट कार्यों की सराहना करते हुए उन्होंने छात्रों को उनका अनुसरण करने को कहा।
एजेके एमसीआरसी में बतौर छात्र के अपने अनुभवों को बताते हुए कंवर और बधवार ने कहा कि इस यूनिवर्सिटी ने बहुत ज्ञान और प्रशिक्षण दिया, जिससे वह अपने क्षेत्रों में इतनी कामयाबी हासिल कर सकीं। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे इस संस्थान के संसाधनों और अध्यापकों की विशेषज्ञता का पूरा लाभ उठाते हुए भविष्य में मीडिया के क्षेत्र में उतरने के लिए अपने को तैयार करें।

साल **2004** में एजेके एमसीआरसी से अपनी पढ़ाई पूरी करने वाली कंवर, सियासत, स्विम टीम, रागिनी एमएमएस**2** और लिप्स्टिक अंडर माई बुर्क़ा जैसी सिनेमा और टेलिविजन कार्यक्रमों में अपना योगदान दे चुकी हैं।

जामिया से ही **1995** में मास काम्युनिकेशन में एम.ए. करने वाली बधवार ने नएडीटीव से अपने कैरिअर की शुरूआत की। वह वहां की पहली महिला कैमरापर्सन थीं। उन्होंने माई डाॅटर्स मम और इम्मोरटल फाॅर ए मूमंट जैसी किताबें लिखीं और मीडिया विद कारवान ए मोहब्बत प्रोग्राम बनाया, जो बहुलवादी राजनीति और हेट क्राइम्स के शिकार लोगों के पक्ष में एक नेशनल कंपेन था।

इससे पहले, कुलपति का एजेके एमसीआरसी की कार्यकारी निदेशक प्रो शोहिनी घोष ने स्वागत किया। इस समारोह में बड़ी संख्या में एमसीआरसी और अन्य विभागों के छात्रों तथा अध्यापकों ने हिस्सा लिया।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक